

राज्यपाल ने शुआ फातिमा पब्लिक गल्स इण्टर कॉलेज के वार्षिक उत्सव का उद्घाटन किया

लखनऊ: 30 मार्च, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज शुआ फातिमा पब्लिक गल्स इण्टर कॉलेज, फैजुल्लाह गंज, लखनऊ के वार्षिक उत्सव के अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री ए०पी० सिंह और बेसिक शिक्षा निदेशक श्री सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह को 'प्राइड और सोसायटी सम्मान' से अलंकृत किया। श्री नाईक ने इस अवसर पर कॉलेज के नवनिर्मित साइंस ब्लॉक का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में शुआ एजुकेशनल सोसायटी के संस्थापक प्रो० शारिब रूदौलवी, डॉ० अम्मर रिज़वी, निदेशक श्री करार ज़ैदी, प्रबन्धक श्री वक्रार रिज़वी, ट्रस्टी श्री आसिम रज़ा, कॉलेज की छात्राएं एवं शिक्षिकाएं सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं अभिभावकगण उपस्थित थे। कॉलेज के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये।

राज्यपाल ने कहा कि उनके प्रयास से उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले सभी राज्यकीय विश्वविद्यालय पटरी पर आ गए हैं। कुलपतियों के सहयोग से समय पर प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा, परीक्षाफल घोषणा और दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जा रहे हैं। 2017-18 व 2018-19 में एक नया चित्र देखने को मिला है। वर्ष 2018-19 में सम्पन्न हुए दीक्षान्त समारोह में कुल 12,78,985 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की उपाधियाँ वितरित की गईं जिनमें से 7,14,764 अर्थात् 56 प्रतिशत उपाधियाँ छात्राओं ने प्राप्त की। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये 66 प्रतिशत पदक छात्राओं को मिले हैं। सम्पन्न हुये दीक्षांत समारोह में डॉ० भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा में 85 प्रतिशत, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर 82 प्रतिशत तथा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी एवं छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में 81 प्रतिशत पदक छात्राओं द्वारा अर्जित किये गये हैं। उचित वातावरण और सही प्रोत्साहन मिलता है तो बेटियाँ स्वयं को सिद्ध कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में बेटियों को सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

श्री नाईक ने चरैवेति! चरैवेति!!' श्लोक को उद्धृत करते हुए कहा कि कोशिश करने वालों की हार नहीं होती और जो हार नहीं मानता, वही सफलता प्राप्त करके आगे बढ़ता है। निरन्तर आगे बढ़ने वाले ही जीवन में सफल होते हैं। विद्यार्थियों का धर्म शिक्षा ग्रहण करना है। केवल किताबी कीड़े न बनें। उन्होंने व्यक्तित्व विकास के चार मंत्र बताते हुये कहा कि सदैव मुस्कुराते रहें, दूसरों की सराहना करना सीखें, दूसरों की अवमानना न करें क्योंकि यह गति अवरोधक का कार्य करती है, अहंकार से दूर रहें तथा हर काम को अधिक अच्छा करने पर विचार करें। राज्यपाल ने कहा कि संस्थापक प्रो० शारिब रूदौलवी का प्रयास सराहनीय है, जिन्होंने अपनी बेटी शुआ फातिमा के निधन के बाद गरीब बच्चियों को शिक्षित करने के लिए कॉलेज की स्थापना की।

राज्यपाल ने बालिकाओं से कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा जनतांत्रिक देश है। बच्चे अपने स्तर से अपने परिजनों को मतदान के लिए प्रेरित करें। चुनाव मतदाता के मतदान की

भागीदारी से ही सम्पन्न होते हैं। ऐसे समय में मतदान सर्वश्रेष्ठ दान है। मतदान सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म है। लोकतंत्र में मत का बहुत महत्व है। एक मत से सरकार बनती है और गिरती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा 2019 के चुनाव में सबसे अधिक मत प्रतिशत वाले लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, वार्ड एवं क्षेत्र पंचायत तथा सर्वाधिक मत प्रतिशत वाले केन्द्र से जुड़े लोगों का राजभवन में सत्कार किया जायेगा।

कार्यक्रम में संस्थापक प्रो० शारिब रूदौलवी, डॉ० अम्मार रिज़वी, श्री वकार रिज़वी सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। राज्यपाल ने कॉलेज की मेधावी छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

अंजुम/दिलशाद/राजभवन (122/37)





